

# Maharaja Surajmal Brij University Bharatpur (Rajasthan) Syllabus

**Multidisciplinary Course** 

**Subject: Philosophy** 

Semester-III,IV&V

Session (2024-25)

### Semester- III

# MDC-PHI-10T-1001: Logical Reasoning and Critical Thinking

Credit-04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper-80 Marks

#### Objectives:

The objective behind this course is to introduce to the students, some basic tools of reasoning from the realm of formal logic.

#### Outcomes:

- Students are expected to get an acquaintance with fundamental concepts of logical reasoning and critical thinking.
- Students are expected to cultivate a logical approach in their thinking and decision procedures.
- Students should be able to apply tools of logical reasoning in the realm of problem solving and logical and ethical dilemmas.

#### Unit I:

Basic concepts: Meaning of Logic, Reasoning, Argument, Deduction & Induction, Propositions, Truth and Validity

Types of Propositions, Square of Opposition

Unit II:

Categorical Syllogism and Syllogistic Rules Major types of Informal Fallacies

Unit III:

Comprehension based on logical reasoning

Unit IV:

Problem Solving and Decision Making, Situations involving ethical and logical dilemmas

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेर उपकुलसचिव

प्रभारी अकादिमक प्रथम

### Semester- III

# MDC- PHI-10T -1001: लॉजिकल रीजनिंग(तर्कणा) और आलोचनात्मक चिंतन

#### क्रेडिट -04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper -80 Marks

उद्देश्यः इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को औपचारिक तर्कशाँख के क्षेत्र से कुछ बुनियादी तर्क उपकरणों से परिचित कराना है।

#### परिणाम:

- छात्रों को तार्किक तर्क और आलोचनात्मक सोच की मौलिक अवधारणाओं से परिचित होने की अपेक्षा है।
- छात्रों में अपने सोचने और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में तार्किक दृष्टिकोण विकसित करने की अपेक्षा है।
- छात्रों को समस्या समाधान और तार्किक और नैतिक द्वंदों के क्षेत्र में तार्किक तर्क के उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।

#### खण्ड ।

आधारभूत अवधारणाएँ: तर्कशास्त्र का अर्थ, तर्क, युक्ति , निगमन और आगमन, प्रतिज्ञप्तियाँ, सत्य एवं वैधता प्रतिज्ञप्तियों के प्रकार, विरोध का वर्ग

खण्ड ।।

निरुपाधिक न्याय-वाक्य, निरुपाधिक न्यायवाक्यकार की परीक्षा के नियम अनौपचारिक तर्कदोषों के प्रमुख प्रकार

खण्ड III

तार्किक तर्क पर आधारित बोध

W

समस्या समाधान और निर्णय निर्माण , नैतिक और तार्किक द्वन्द्व से जुड़े परिदृश्य

## Suggested Readings:

Copi I. M.: Introduction to Logic (Hindi translation available) श्यामिकशोर सेठ एवं नीलिमा मिश्र – तर्कशास्त्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

#### Semester-IV

## MDC-PHI+10T -2001: Introduction to Philosophy and Administrative Ethics Credit-04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper -80 Marks

#### Objectives-

- Understanding key Ethical theories and their application to professional contexts.
- Develop critical thinking and ethical issues in various professional settings.
- · Fundamental ethical principles and concepts that guide decision-making in public administration. Promote the importance of integrity, transparency, and accountability in public service. Teach students how to apply ethical theories to solve dilemmas and challenges in the field of public administration.

#### Outcomes-

- Students will understand various professional ethical theories and how they apply to public
- Students will be able to identify and resolve ethical issues in administrative contexts using
- Students will be prepared to take on leadership roles with a focus on ethical decision-making and fostering an ethical organizational culture.
- Students will understand the importance of accountability in public administration and will be able to apply this understanding in their professional practices.
- Students will develop a strong commitment to the values of public service, such as fairness,

#### Unit-I

Meaning, Nature and Scope of Philosophy. Geography of Philosophy - India, East, West Branches of Philosophy- traditional and recent taxonomy Major problems of metaphysics and ontology, Major problems of epistemology, Major problems of ethics

#### Unit-II

Ethics in private and public relationships- Behaviour, Moral and Political attitudes of administrators - Philosophical basis of Integrity.

Ethics and Human Interface: Essence, Determinants and Consequences of Ethics in Human Actions

Ethics and Human Values: Lesson from lives and teachings of great leaders and reformers. Role of family, society and educational institutions in inculcating values.

#### Unit-III

Ethical concept-Rit and Rina, concept of Duties, concept of Good and Virtues. Ethics of Bhagavad Geeta and its role in Administration. Gandhian Ethics. Contribution of Moral Thinkers and Philosophers from India & World. Psycho-Stress Management.

#### Unit-IV

Emotional Intelligence-Concepts, and their Utilities and Application in Administration and

Probity in Governance: Concept of Public Service; Philosophical Basis of Governance and Probity; Information Sharing and Transparency in Government, Codes of Ethics, Citizen's Charters, Work Culture, Utilization of Public Funds, Challenges of Corruption.

N

#### Semester-IV

### MDC- PHI-10T -2001: दर्शनशास्त्र का परिचय और प्रशासनिक नीतिशास्त्र क्रेडिट-04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper -80 Marks

#### उद्देश्यः

- प्रमुख नैतिक सिद्धांतों को समझना और उन्हें पेशेवर संदर्भों में लागू करना।
- विभिन्न पेशेवर परिवेशों में आलोचनात्मक सोच और नैतिक मुद्दों का विकास करना।
- लोक प्रशासन में निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करने वाले मौलिक नैतिक सिद्धांतों और अवधारणाओं की समझ विकसित करना। सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता, और जवाबदेही के महत्व को बढ़ावा देना। छात्रों को नैतिक सिद्धांतों का उपयोग करके लोक प्रशासन के क्षेत्र में दुविधाओं और चुनौतियों को हल करना सिखाना।

#### परिणामः

- छात्र विभिन्न पेशेवर नैतिक सिद्धांतों को समझेंगे और यह जानेंगे कि वे लोक प्रशासन में कैसे लागू होते हैं।
- छात्र प्रशासनिक संदर्भों में नैतिक मुद्दों की पहचान कर सकेंगे और उपयुक्त नैतिक अवधारणाओं का उपयोग करके उन्हें हल कर
- छात्र नैतिक निर्णय लेने और नैतिक संगठनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करके नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने के
- छात्र लोक प्रशासन में जवाबदेही के महत्व को समझेंगे और इसे अपने पेशेवर अभ्यासों में लागू कर सकेंगे।
- छात्र सार्वजनिक सेवा के मूल्यों, जैसे निष्पक्षता, न्याय और समानता के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता विकसित करेंगे।

दर्शन का अर्थ, प्रकृति और क्षेत्रा दर्शन का भूगोल – भारत, पूर्व, पश्चिम दर्शन की शाखाएँ – पारंपरिक और समकालीन वर्गीकरण तत्व-मीमांसा और सत्ता-मीमांसा की प्रमुख समस्याएँ, ज्ञानमीमांसा की प्रमुख समस्याएँ , नैतिकता के प्रमुख मुद्दे

निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता – प्रशासकों का आचरण, नैतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण – सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार। नैतिकता और मानव अन्तराफलक: सार, मानव क्रियाओं में नैतिकता के निर्धारक तत्त्व एवं परिणाम, नैतिकता और मानव मूल्य: महान नेताओं और सुधारकों के जीवन और विचारों में निहित शिक्षा, मूल्यों को मनोगत रूप से स्थापित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका।

नैतिक अवधारणा – ऋत और ऋण, कर्तृव्यों की अवधारणा, शुभ और सद्गुण की अवधारणा। भगवद गीता की नैतिकता और इसका प्रशासन में योगदान; गांधीवादी नैतिकता। भारत और विश्व के नैतिक विचारकों और दार्शनिकों का योगदान। मानसिक -तनाव प्रबंधन।

#### खण्ड IV

भावनात्मक बुद्धिमत्ता – अवधारणाएँ, और प्रशासन एवं शासन में उनकी उपयोगिता और अनुप्रयोग शासन में सत्यिनिष्ठाः सार्वजनिक सेवा की अवधारणा; शासन और सत्यिनिष्ठा का दार्शनिक आधार; सरकार में सूचना साझा करना और पारदर्शिता, नैतिकता के कोड, नागरिक चार्टर, कार्य संस्कृति, सार्वजनिक धन का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ। Suggested Readings:

1. Simon Blackburn - Dictionary of Philosophy

John Hospers – An Introduction to Philosophical Analysis (Hindi translation available)

3. Daya Krishna- Nature of Philosophy

- Rajendra Swaroop Bhatnagar Darshan Ka Swaroop
- 5. Ethics in Public Administration: A Philosophical Approach" by Patrick J. Sheeran
- 6. Administrative Ethics in the Twenty-First Century" edited by James Michael Martinez

7. Handbook of Administrative Ethics edited by Terry L. Cooper

### Semester- V

# MDC-PHI-10T -3001-Yoga: Philosophy and Stress Management

#### Credit-04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper -80 Marks

#### Objectives:

The objective behind this course is to introduce to the students, some fundamental concepts of Yoga, philosophical and conceptual foundations of Yoga, some important types and techniques of Yoga, so as to enhance their understanding of theoretical aspect of Yoga and thus help them inculcate a serious interest towards Yoga.

## Outcomes of studying Indian Philosophies:

- Students are expected to master some fundamental philosophical and conceptual foundations of Yoga.
- Students should be able to utilize their theoretical training in Yoga towards a deeper practice of its applied aspect.
- Students should be able to understand the variety of Yoga, concentration and meditation techniques.

#### Unit I:

Definition of Yoga by Patanjali, Basic concepts, citta, cittavritti, chittabhumi Prakriti and Purusa

#### Unit-II

Astanga Yoga Kaivalya

#### Unit III:

Importance of Yoga for healthcare, mental health and professional life Meditation Mindfulness

#### Unit IV:

Vipassana Integral Yoga of Sri Aurobindo Transcendental Meditation

W

#### Semester- V

## MDC- PHI+10T -3001 -योग दर्शन एवं तनाव प्रबंधन

#### क्रेडिट -04

Mid Semester Assessment-20 Marks Theory Paper -80 Marks

#### उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को योग की कुछ मौलिक अवधारणाओं, योग की दार्शनिक और वैचारिक नींव, योग के कुछ महत्वपूर्ण प्रकार और तकनीकों से परिचित कराना है, ताकि उनकी योग के सैद्धांतिक पक्ष की समझ बढ़-सके और उन्हें योग के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न हो।

### भारतीय दर्शन का अध्ययन करने के परिणाम

- छात्रों को योग की कुछ मौलिक दार्शनिक और वैचारिक नींव में निपुण होने की उम्मीद है।
- छात्र अपने योग के सैद्धांतिक प्रशिक्षण का उपयोग इसके व्यावहारिक पहलुओं में गहरे अभ्यास के लिए करने में सक्षम होने चाहिए।
- छात्र योग की विभिन्न विधियों, एकाग्रता और ध्यान तकनीकों को समझने में सक्षम होने चाहिए।

#### खण्ट ।

पतंजिल द्वारा योग की परिभाषा, बुनियादी अवधारणाएँ, चित्त, चित्तवृत्ति, चित्तभूमि प्रकृति और पुरुष

खण्ड ॥

अष्टांग योग

कैवल्य

खण्ड ।।।

स्वास्थ्य देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर जीवन के लिए योग का महत्व ध्यान सचेतनता

W

विपश्यना श्री अरविंद का संपूर्ण योग अतीन्द्रीय ध्यान (ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन)

### Suggested Reading:

- 1. Patanjali Yoga-sutra, Gita Press, Gorakhpur
- 2. Marlysa Sullivan: Understanding Yoga Therapy, Routledge
- 3. Rick Repetti: Philosophy of Meditation, Routledge
- 4. Jack Forem: Transcendental Meditation'
- Shonali Sabherwal: Vipassana: The Indian Way to Be Happy and: The Timeless Secret to Meditate and Be Calm, Penguin